THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): Yes, Sir.

17.52 hrs.

STATEMENT *RE.* RAILWAY ACCIDENT AT A LEVEL CROSSING ON SOUTH CENTRAL RAILWAY

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAY (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): Sir, I regret to inform the House of an accident which took place at a manned level crossing gate on the South Central Railway in the early hours today.

At about 00 50 hours, train No. 227 Up Guntur Gadag Passenger collided with the rear portion of a road transport bus at manned level crossing gated situated at Kms. 607/13-14 between Santamagulur and savalyapuram stations on the Guntur-Donakonda metre guage single line section of Vijayawada Division of the South Central Railway. As a result of the collision, 9 occupants of the bus were killed and two died subsequently, bringing the total number of deaths to 11. In addition, 12 persons were injured, of whom 3 are repored to have sustained grievous injuries. The injured, of whom 3 are reported to Civil Hospital, Guntur and Railway Hospital, Vijayawada, where they are reported to be progressing satisfactorily.

Immediately on receipt of the information of the accident, railway officers rushed to the site to supervise relief and rescue operations.

Ex-gratia payment has been arranged to the injured and to the next of kin of those who died.

The Additional Commissioner of Railway Safety has decided to hold an enquiry at Narasaraopet on 9th

17.54 hrs.

STATUTORY RESOLUTION RE. CONTINUANCE IN FORCE OF THE PRESIDENT'S PROCLAMATION IN RESPECT OF GUJARAT—*Contd.*

MR. SPEAKER: Now, we will resume the discussion on the Statutory resolution.

Shri Priya Ranjan Das Munsi.

श्री प्रिय रंजन दास मुंशी (कलकत्ता–दक्षिण) : अध्यक्ष महोदय, मैं आज हिन्दी में ही बोलने की कोशिश करूंगा। गुजरात के बारे मे राष्ट्रपति शासन का टाइम बढ़ाने के लिए जो संवैधानिक आवश्यकता को लेकर हमारे गृह मंत्री जी सदन मे यह प्रस्ताव लाये हैं उसका मैं समर्थन कर रहा हूं। लेकिन साथ साथ यह भी कहना चाहता हूं कि गुजरात की जनता के हितो के लिए और हिन्दुस्तान के लोकतंत्र के साथ गुजरात की जनता को कदम से कदम चलाने के लिए जल्दी चुनाव कराने का बन्दोबस्त करना चाहिए। उसके ऊपर भी हमारे गृह मंत्री ध्यान दें।

गुजरात मे जो कुछ घटना घटी जिसके कारण मुख्य मंत्री को इस्तीफा देना पडा और कांग्रेसदल से भी उनको निकाला गया, गुजरात की विधान सभा भी भग हुई, इन सारी घटनाओं के पीछे, गुजरात के नौजवान, गुजरात के विद्यार्थी, चाहे वे शहर के हों चाहे गांव के हों, उन लोगों की कुछ मांग थी। अब वे मागे जिन चीजों के लिए थीं, वे सारी चीजें गुजरात ही नहीं सारे हिन्दुस्तान को ही पूरी नही हुई। इसलिए मैं समझता हू कि राजनैतिक दृष्टिकोण से ही नही, प्रशासनिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी गुजरात की सारी समस्याओं की जांच वे करें और आज हिन्दुस्तान की जनता और गुजरात की जनता के अन्दर हिन्दुस्तान के लोकतंत्र को कांफिडेंस,

[Shri Priya Ranjan Das Munshi]

कार्यवाही करें जिसमें गुजरात की प्रोग्रेस, प्रगति हो, वहां की डेवलपमेंट, विकास हो और भ्रष्टाचार की समाप्ति के लिए जो कुछ स्टप्स, कदम उठाने चाहिए वह स्टप्स, कदम हमारी सरकार उठाए।

अध्यक्ष महोदय, गुजरात में जो कुछ हुआ है उसके पीछे प्रतिक्रियावादी शक्तियों का भी हाथ था। श्री मोरारजी भाई देसाई जिन्होने हिन्दुस्तान की सरकार के साथ एक साल नही, दो साल नही, कम से कम 25 सालों तक कन्धे से कन्धा मिला कर काम किया, जब मैंने देखा कि वे भी गुजरात के लिये रो रहे है और यह कह रहे हैं कि गुजरात के विकास के लिये कुछ नहीं हुआ, सारी जिम्मेदारी इन्दिरा गांधी की है तो मैं समझता हूं कि वे हिन्दुस्तान की जनता के साथ, लोकतंत्र और जनतंत्र के साथ विश्वासघात कर रहे है। मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि उन्होंने हिन्दुस्तान की उन्ही शक्तियो की मदद करने के लिये कदम उठाया जिन्होंने हिन्दुस्तान ने लोकतंत्र को समाप्त करने के लिये, हर तरह से कन्फयूजन पैदा करने की कोशिश की।

अब मैं दो-तीन सुझाव गृह मंत्री जी को देना चाहता हूं—गुजरात मे चुनाव कराने से पहले गुजरात के स्टूडेन्ट्स, गुजरात के टीचर्स, गुजरात में जितनी पोलिटीकल फोर्सेज है, उनके लिये एक ऐसा एटमोस्फिअर, वातावरण बनाये कि जिस वातावरण से गुजरात की जनता के अन्दर यह भरोसा पैदा हो, यह विश्वास पैदा हो कि आने वाले चुनावों से गुजरात के अन्दर चाहे राजनीतिक दलों के रूप मे या प्रशासनिक रूप से एक नया वातावरण पैदा होगा, एक ऐसा वातावरण पैदा होगा जिसके लिये महात्मा गांधी जी ने संघर्ष किया था।

गुजरात मे जो कैपिटलिस्ट फोर्सेज (पूंजीवादी दल) हैं—मैं उनमें से एक दो के नाम लेना चाहता हूं। सब से पहले तो मैं रफ़ीक अमीन का नाम लेना चाहता हूं, जो फेडरेशन आफ चैम्बर एण्ड कामर्स के प्रसिडेन्ट भी रह चुके है। मैंने देखा कि उन्होंने विद्यार्थियों की मूवमेन्ट को कन्फ्यूज करने के लिये, उसको फाइनैन्शली कन्फ्यूज करने के लिये एक लीफ़-लैट पर्चा बांटा। मैं उस दिन बड़ौदा में मौजूद था जिस दिन यह लीफ़-लैट वहां बांटा गया। उन्होंने हिन्दुस्तान की सरकार और हिन्दुस्तान के लोकतंत्र के खिलाफ़ आवाज़ उठाने की कोशिश की। जिससे यह ज़ाहिर होता है कि हिन्दुस्तान में लोकतंत्र की हत्या करने के लिये प्रतिक्रियावादी और पूंजीवादी तत्व हमारे देश और जनता के खिलाफ़ कदम उठा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, मै गृह मंत्री जी को यह भी सुझाव देना चाहता हू कि आने वाले चुनावों से पहले गजरात मे जितनी टेक्सटाइल इण्डस्ट्रीज है उन सब को नैशनलाइज किया जाये। गुजरात मे सरकार बडे बडे व्यापारो को चाहे ग्राउण्डनट का व्यापार हो या दूसरे व्यापार हो, उनको अपने कन्ट्रोल मे लाये ताकि गुजरात मे जितनी प्राइवेट फाइनेनशल इस्टीचूशनज है उनके सारे प्रोग्राम स्टाप, बद हो जांय। . . . (**व्यवधान**) . ! . आप क्यो डरते है, मैं गुजरात को नेशनलाइज करने की बात नही कह रहा हू, मै तो वहा के व्यापार को नशनलाइज करने की बात कह रहा हू।

SHRI P. M. MEHTA (Bhawnagar): You can notionalise any damn thing; bring results.

SHRI PRIYA RANJAN DAS MUNSI: Please do not oppose every issue. I know why you are in trouble.

अध्यक्ष महोदय, गुजरात मे ओ०एन० सी०सी० और जो दूसरी पब्लिक अण्डरटेकिंग्ज है है उनके बारे में गुजरात के यूथस आज यह महसूस करते है कि नौकरी के मामले में उनको पूरा भाग नही मिल रहा है। मैंने

भी इसके बारे में आंकड़े देखें है। मैं सुझाव देना चाहता हूं—यह ठीक है कि हिन्दुस्तान के किसी भी प्रान्त—यू० पी०, बिहार या कोई भी प्रान्त हो, उसके नौजवान को हिन्दुस्तान के किसी भी प्रान्त मे नौकरी करने का हक है—लेकिन जिस प्रान्त मे बेरोजगारी ज्यादा है, उस प्रान्त मे वहां के नौजवानो को नौकरी में ज्यादा से ज्यादा परसेन्टेज मिलना चाहिए ताकि साइकालोजिकली (मनोवैज्ञानिक दृष्टि से) उन बरोजगार नौजवानों के मन में यह विश्वास पदा हो कि सरकार उनके साथ अन्याय नही कर रही है।

जहा तक नर्मदा विवाद का सम्बन्ध है—उसको लेकर चिम्मन भाई पटेल हगामा करने की कोशिश कर रहे है। मै सुझाव देना चाहता हू कि नर्मदा विवाद के मामले मे सैन्ट्रल गवर्नमेन्ट का सुझाव वहा की जनता को क्लियरली बताने से पहले गुजरात मे जितनी प्रोग्रेसिव फोर्सेज है उनको कान्फिडेंस, विश्वास मे लेकर, उनके साथ सलाह करने के बाद उस सोल्यूशन (हल) को गुजरात की जनता के सामने पेश किया जाय। जब चिम्मन भाई पटेल कांग्रेस के मुख्य मत्री थे और उन्होंने वहा का राज चलाया, तब सारे लोगों ने कहा कि चिम्मन भाई चोर है। मैने देखा था कि चिम्मन भाई चोर है, ऐसा शोर हो रहा था। लेकिन जब उनको वहा से निकाल दिया गया तो चिम्मन भाई सयासी बन गये। अब उनको लेकर कहा जा रहा है कि चिम्मन भाई साधू बन गये है, क्योंकि उन्होने कांग्रेस को छोड़ दिया है, . (व्यवधान) . . हम जानते हैं ऐसा ही हो रहा हैं।

गुजरात में राष्ट्रपति शासन का समय बढाने के साथ साथ गुजरात में कृषि विकास के लिये, गुजरात मे नौजवानों की बेरोजगारी को दूर करने के लिये, अधिक से अधिक रोजगार देने के लिये नई पालिसी तैयार की जाय। साथ ही साथ ऐसी कोशिश की जाय कि वहा पर प्राइवेट कैपिटल एक्यालिश, निजी सम्पत्ति समाप्त हो जाय।

गुजरात एडमिनिस्ट्रेशन मे पुलिस कुछ ज्यादती कर रही है। मै मिर्धा जी से कहना चाहता हू—बुलसार मे जो घटना घटी, उसमे सी०बी०आई० इन्क्वायरी कर रही है। लेकिन उसमें बिना प्रोवोकेशन के पुलिस ने गोली चलाई और बहुत जुल्म किये। वहा के आई०जी०पी० की तरफ ध्यान दिया जाय, वह वहा की जनता को परेशान करने के लिए हर सम्भव कदम उठा रहा है—इसकी इन्फर्मेशन हमारे पास है। इस लिये मै चाहता हू कि इन सारी चीजों को ध्यान रखते हुए गृह मत्री जी पूरे कदम उठाये ताकि गुजरात की जनता को भरोसा मिले और उसके अन्दर यह विश्वास पैदा हो कि राष्ट्रपति शासन के टाइम मे केन्द्रीय सरकार जनता के हितो के लिये काम कर रही है।

बगाल मे राष्ट्रपति शासन के समय आप ने श्री सिद्धार्थ शकर राय को बगाल का मुख्य मत्री बना कर केन्द्र से भेजा था और उन्होंने जा कर वहा की स्थिति को बहुत अच्छे ढग से सम्भाला। इस लिये मै सुझाव देना चाहता हू कि गुजरात के लिये भी सेन्टर से कोई आदमी वहा का मिनिस्टर इन्चार्ज बना कर भेजा जाय जो वहा की पोलिटीकल फोर्सज, (राजनैतिक शक्तियों को) को साथ लेकर जनता के हित में काम कर सके।